मैथिली मे पहिल इ-पेपर

समाद

पटना, 6 फरबरी, 2008 □ सप्ताहिक □ अंक-3 □ साल-1 □ इनटरनेट संस्करण □ पेज-6

नोरक सियाही स लिखइ छी गाथा, टूटल सपना चौमहला यउ भइया
बजाबै अहां के मिथिला आइ भइया

देश या देस, केकर छी हम

पिछला 60 साल स बिहार देश लेल सोचि रहल अछि, बिहार देश लेल देस के दांव पर राखि देलक, अपन बोली, अपन पहचान सबटा देश पर कुरबान करि देलक. जगजीवन राम सासाराम के राम–राम कहि देलाह आओर हरियाणा आ पंजाबक विकास में एहन योगदान देलेन जे ओहिठाम बाबू जी कहबैत छथि, असल मे बिहारक लेल देश कहियो नहि सोचलक नेहरू सब दिन बिहार संग एकटा उपनिवेश जकां व्यवहार केलथि., जे आइ मुखर भ चुकल अछि. आजादीक पहिने भारत कच्चा माल इंग्लैंड जाइत छल आ आहि ठाम स बनल सामान भारत में बिकाइत छल. आजादीक बाद लोहा बिहारक छल आओर साइकिल पंजाब मे बनल. बिहार साइकिल लेल पंजाब पर निर्भर रहल. कहल गेल राज्यक नहि देशक सोचू. देश बनत त राज्य बनत. मुदा भेल ठीक उलटा. जे राज्य अपना लेल सोचलक आगू गेल, जे देश लेल सोचलक पाछू रहल. आइ बिहार बीमारू राज्य कहल जाइत अछि. इ स्थिति कोनो पांच या दस साल में नहि भेल अछि. 60 सालक बाद अगर हम एहि प्रश्नक उत्तर मांगी रहल छी कि हम देश छी या देसक त निश्चित रूप स हमरा सब के आब देसक संबंध में गंभीरता स विचार करबाक चाही. *समदिया*

के चाहैत अछि बिहारक विकास

बिहारक विकास के चाहैत अछि. बिहारी देश पर गर्व करैत छथि, आन राज्यक विकास के अपन तहिना कहैत छथि, जेना पत्नीक बाप के पापा. दरअसर ओ अपन राज्यक विकास नहि करि के एकटा विकासित राज्यक हिस्सा बनय चाहैत छथि. बिहार पिछड़ा छल मुदा बिहार के बिमारू बनाउल गेल. इ एकटा प्रक्रियाक तहत भेल. पिछला 60 सालक इतिहास देखू त हर डेग पर बिहार संग उपनिवेश जेकां व्यवहार भेल. बिहारक नेता के कुरसीक लोभ एहन जे ओकर आगू किछु नहि सुझायल. बिहारक विद्वान अपन दायित्व छोड़ि दोसर राज्य विदा भ गेला आओर ओहि ठाम स बिहार के गरियाबय लगलाह. धीरे–धीरे माहौल खराब हाइत गेल. नीक लोकक संख्या घटल गेल, एकटा समय एहन आयल, जखन नीक लोकक उदाहरण देबा लेल स्वर्गवासीक नाम उपयोग हुए लागल. शिक्षा खतम, उद्योग बंद. शहर आओर गाम मे अंतर नहि रहल. समूचा बिहार एहन लोकक जिम्मा मे सौंप देल गेल, जे असल में बाहर जेबाक योग्य नहि छल. जे कनियो योग्य छल ट्रेन पकड़ी बाहर भागी गेल. आश्चर्य तखन होइत अछि जखन प्रवासी बिहारी राज्यक विकासक गप करैत छथि आ कहैत छथि, जे बिहार नहिं सुधरि रहल अछि. दरअसल ओ एहन लोक स बिहार के सुधारबाक प्रयास करि रहल छथि, जे एतबो योग्य नहि छथि जे हुनका जेका प्रवासी बनि आन राज्यक विकासक हिस्सा बनि सकथि. एहन परिस्थिति मे अगर नीतीश कुमार बिहार के बदलबा मे लागल छथि त भगवान हुनका सफलता प्रदान करौथि. शिक्षित, प्रशिक्षित बिहारी अगर बिहारक विकास चाहितैथि, त बिहार आइ विकसित राज्य होइते. दर असर बिहारक विकास आइ 'विद्वान' नहि 'मूर्ख' चाहि रहल अछि. आशा नहि विश्वास अछि जे विकसित बिहार बनलाह पर प्रवासी बिहारी सेहो *मातृभूमि अंतिम प्रणाम* कहबा लेल क्षमा मंगताह.

आन कम अपन बेसी तबाह केलक

बिहारक विकासक जखन गप हाइत अछि, लालू राज स प्रारंभ होइत अछि. असल मे लालू के ओ बिहार भेटल पिछड़ा नहि बिमारू भ चुकल छल, पिछड़ा के बिमारू बनेबा मे एक गोटेक हाथ नहि अछि. बिहार संग पहिल छल एकर भाषाक ल के भेल. श्रीकृष्ण सिंह मुख्यमंत्री बनलाह आ भोजपुरी आओर मैथिलीक रहैत बिहार के हिंदी प्रदेश घोषित करि देलथि. किया भेल उल्लेख करब जरूरी नहि. गप कोयलाक रॉयलटी पर भेल, त कुरसी बचेबा लेल बिहारक सीएम दामक बदला मे मात्रा पर रॉयलटी मानि लेलथि, जखन कि आन राज्य के दाम पर रॉयलटी भेट रहल अछि. 60 साल मे दाम आसमान पर पहुंच गेल, मुदा उत्पादन ओकर आधा नहि भ सकल. रॉयलटीक राशि मे अंतर बढ़ल गेल. कृषि विकास लेल परियोजना बनल त कोसी आओर भाखड़ा संगहि शुरू भेल. भाखड़ा पुरान भ गेल, कोसी आइ धरी पूरा नहि भेल. पिछला 60 साल मे केंद्र केवल यूपी मे गंगा पर सात टा पुल बनौलक, मुदा बिहार मे एकोटा बिना राज्य सरकारक सहयोग स पूरा नहि भेल. एतबे नहि अपन कुरसी बचेबा लेल जगन्नाथ मिश्र राज्य सरकारक टाका स बनल गांधी सेतुक उद्घटन निमार्ण पूरा हाइ स पहिने करा देलथि, जेकर परिणाम भेल जे 20 साल मे पुल जर्जर भ गेल. शिक्षा के चौपट करबा मे सेहो मिश्र जी के महत्वपूर्ण योगदान रहल. बिहार मे मिल सब आइ खुली रहल अछि, एकरा संयोग कहल जैत जे जगन्नाथ जेकरा बंद करौलथि, हुनक पुत्र ओकरा पुनर्जिवित करि रहल छथि, अर्थात बापक पाप धो रहल छथि. आइ लालू, पासवान आ नीतीश तीनू नेता बिहार लेल सोचि रहल छथि. इ तीनू बिहारक भाग्य निर्माता छथि, इ चाहि लथि त विकसित बिहार बनि के रहत. तखन राज ठाकरे अपनहि चुप भ जेताह.

आखिर क्षति त मुंबई क अछि

कुमार अनिल

राज ठाकरे क उकसेवा पर हुनकर समर्थक हिंदीभाषी पर हमला करि रहल छथि. निश्चित रूप स हिंदीभाषी घायल भ रहल छथि–शारीरिक आ मानसिक दूनू रूप स. मुदा गौर स देखी त घयल होनिहार आओरो लाक छथि. घायल भ रहल छथि शिवसेना, भाजपा, कांग्रेस आओर सबसे बढ़िके अपन मुंबई. सच मे भारत एकटा जटिल राजनीतिक संरचनावाला देश अछि.

60 आओर 70 क दशक मे मराठी क्षेत्रीयतावाद क नारा शिवसेना के मुंबई के राजनीति मे मजबूत आधार देलक, बाद मे शिवसेना हिंदुत्व क वकालत करि के अपन पैर पूरा महाराष्ट्र मे फइला लेलक. ओ सत्ता मे सेहो आयल, लेकिन आइ ओकर अपने छवि ओकर संग देबा मे बाधक बन अछि. ओ आन प्रदेशो मे पसर चाहैत अछि. केंद्र क राजनीति मे बेहतर संभावना ताकि रहल अछि,

जाहि मे ओकर पुरान छवि आइ कोनो मदद नहि पहुंचा सकैत अछि. एहि कारण शिवसेना क भीतर नव तरहक सामन्जस बनेबाक कोशिश होइत देखल जा सकैत अछि.

हिंसा आ अराजकता क राजनीति के सीमा होइत अछि. हिंसा क एकटा दौर क बाद हम सब भाजपा के बदलैत रूप में देखलहुं. आडवाणी जी अटलजी क सर्वमान्य छवि हासिल करबा लेल परेशान छथि. बाकी पेज तीन पर

सैनिक छोड़ि, के अछि भारतीय

कुमुद सिंह

भारत के आजाद भेना 60 साल स बेसी भ गेल. पिछला छह दशक स हम भ्रम मे जी रहल छी कि हम भारतीय छी. असल मे भारतीय केवल देश सीमा पर तैनात सैनिक अछि, बाकी कियो कोनो क्षेत्र मे भारतीय अपना के कहैत छथि, जखन ओ अपन इलाका मे कमजोर हुइत छैथि. बिहार अधिकतर क्षेत्र में कमजोर अछि, एहि कारण बिहार में बिहारी कम आ भारतीय बेसी अछि. हम अपना क लाख भारतीय कही, देश लेल सोची, मुदा अगिला की करि रहल अछि, एकर ध्यान कहियो रखबाक प्रयास नहि केलहु. दक्षिण भारत कहियो हिंदी के भारतक भाषा नहि मानलक, मुदा हम मैथिली, भोजपुरी आओर मगही के देशक लेल छोड़ि हिंदी भाषी भ गेलहु. एतबे नहि नरसिंह राव प्रधानमंत्री बनताह त आंध्र मे हुनकर विरोध मे कियो मजबूती स सामने नहि आयल. गुजराल

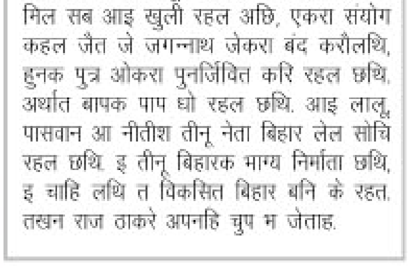

प्रधानमंत्री बनलाह त पंजाबक 13 हजार करोड़ चुटकी मे माफ करि देलैथि, देशक प्रधानमंत्रीक दिमाग मे अगर देश नहि राज्य अछि त फेर आम लोकक की कहल जासकैत अछि. जहां तक उद्योगपतिक सवाल अछि, नारायणमूति अपन इम्फोसि कर्नाटक मे लगबैत छथि त प्रेमजी अपन विप्रो आंध्र मे. अंबानी अपन रिफाइंड्री जामनगर मे स्थापित केलाह, मुदा बिहारक जहानाबादक किंग महेंद्र राज्यसभा जेबा लेल बाकी पेज तीन पर

अपन बिहार मे एहन कहियो नहि भेल, जे आयल, कुटुंब बनि गेल

- बिहार में कुल 35 देशक लोक बसैत अछि
- बिहार में विभिन्न प्रदेशक 1582339 लोक रहैत छैथि.

बिहार मे 16 लाख स बेसी गैर बिहारीक संगहि दू लाख स बेसी विदेशी रहैत अछि. महाराष्ट्र के रहनिहार मधु लिमये के बिहार क लोक संसद पहुंचेलक. मधु लिमये स पहिने आचार्य कृपलानी सेहो बिहार स संसद लेल चुनल गेलाह. आशोक मेहता आओर रविंद्र वर्मा बिहार से चुनल गेलाह. बिहार स संसद मे जाइवाला देशक अनेक चर्चित नेता एखनो छथि, जाहिमे मुजफफरपुर स सांसद जार्ज कर्नाटक क आओर मधेपुरा स सांसद शरद मध्यप्रदेश क रहनिहार छथि.

राज्य मे गैर बिहारी की संख्या

यूरोपीय देशक	1818
अफ्रीकाक	31586
अमेरिका	786
नेपालक	151057
बांग्लादेशक	10906
मलेसियाक	6263
पाकिस्तानक	1286
म्यमारक	507
चीनक	11
भूटानक	253
सिंगापुरक	74
कजाकिस्तानक	2561
बियतनामक	307
श्रीलंकाक	19
जापानक	आठ

श्रीकांत

मुंबई आओर असम मे हिंदीभाषी आओर बिहारी पर हिंसाक बावजूद बिहार मे गैर बिहाररिक खिलाफ आइ धरि हिंसाक कोनो रिकार्ड नहि अछि. बल्कि मराठी के गला लगेबाक रिकार्ड रहल अछि. बिहार मे 16 लाख स बेसी गैर बिहारीक संगहि दू लाख स बेसी विदेशी रहैत अछि. समाजसास्त्री आओर विद्वान हेतुकर झाक कहब छैन जे बिहार मलटी कल्चर स्टेट अछि. बिहार मिथिला, मगध आओर भोजपुरी क सांस्कृतिक गुच्छा थिक. अगल–अलग भाषाक बावजूद लोक संग–संग रहैत अछि. एहन मे कतहु मराठी त कतहु गुजराती सेहो भेटि जाइत अछि. बिहारी मे सहनशीलता सेहो बेसी होइत अछि. उदार एतेक अछि कि चर्चित समाजवादी नेता आओर महाराष्ट्र क रहनिहार मधु लिमये के बिहारके लोक संसद पहुंचेलक. मधु लिमये स पहिने आचार्य कृपलानी सेहो बिहार स संसद लेल चुनल गेलाह. आशोक मेहता आओर रविंद्र वर्मा सेहो बिहार स चुनल गेलाह. बिहार स संसद मे जाइवाला देशक अनेक चर्चित नेता एखनो छैथि, जाहिमे जार्ज फार्नाडिस प्रमुख छथि. जॉज मुजफफरपुर स सांसद छथि. शरद यादव सेहो मधेपुरा स सांसद छथि. जार्ज कर्नाटक आओर शरद मध्यप्रदेश क रहनिहार छैथि. बिहार क लोक केवल बाहर नहि जाइत अछि, दोसर प्रदेश आओर विदेश स सेहो लोक–वेद बिहार अबैत अछि. बिहार मे कुल 35 देशक लोक बसैत अछि. ओहि मे नेपालो शामिल अछि. जतह स सर्वाधिक लोक बिहार मे रहैत अछि. बिहारक गाम मे नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस आओर यूक्रेनक लोक भेट जाइत. अनेक गाम मे त पुतहुक रूप मे विदेशी रहैत अछि. जनयंख्या रिपोर्ट 2001क अनुसार बिहार में विभिन्न देशक 175966 लोक रहैत छथि. यूरोपीय देशक 1818 लोक सेहो बिहार मे रहैत अछि, जखन कि अफ्रीकाक 31586 आओर अमेरिका 786 लोक राज्य मे रहैत अछि. रिपोर्टक अनुसार नेपालक 151057, बांग्लादेशक 10906, मलेसियाक 6263, पाकिस्तानक 1286, म्यमारक 507, चीनक 11, भूटानक 253, सिंगापुरक 74, कजाकिस्तानक 2561, बियतनामक 307, श्रीलंकाक 19 आओर जापानक आठ गोटे बिहार मे रहैत अछि. बिहार मे दोसर देस स आबि के रहैवाला प्रदेसियाक संख्या 1582339 अछि. 2001क जनगणना रिपोर्टक अनुसार बिहार मे उत्तरप्रदेश स आबैयवाला सबसे बेसी लोक अछि, जकर संख्या 437060 अछि. झारखंड स 340262, नगालैंड स 103641, असम स 133758, बंगाल स 126499, महाराष्ट्र स 38244, गुजरात स 68080, उत्तरांचल स 63527 आओर छत्तीसगढ़ स 90469 लोक बिहार मे रहैत अछि. केरल, तमिलनाडु, आंध्र, गोवा, कर्नाटक स सेहो हजारो लोक बिहार में आबि बसल अछि.

परदेसियाक संख्या

उत्तरप्रदेशक	437060
झारखंडक	340262
नगालैंडक	103641
असमक	133758
बंगालक	126499
महाराष्ट्रक	38244
गुजरातक	68080
उत्तरांचलक	63527
छत्तीसगढ़क	90469

केरल, तमिलनाडु, आंध्र, गोवा, कर्नाटकक सेहो हजारो लोक बिहार में रहैत अछि.

विस्तार अछि अपार, चारू कात हाहाकार
हे गई गंगा तू बहै छै किया...

बिहार मलटी कल्चर स्टेट अछि बिहार में मिथिला, मगध आओर भोजपुरीक सास्कृतिक समूह अछि. अगल–अलग भाषाक बावजूद लोक संग–संग रहैत अछि, संगहि बिहारी में सहनशीलता बेसी अछि.

हेतुकर झा, समाजशास्त्री

अपन मरजी स कहां, अपन सफर पर हम छी
अपनहि घर मे आइ, दोसरक घर के हम छी

मुंबई हिनकर त देश केकर

पुष्पेक पंत

पिछला किछु दिन स मुंबई मे जे किछु भ रहल अछि ओकर इतिहास काफी पुरान अछि. मुदा ताजा हिंसा के एहि कारणे नजरअंदाज नहि केल जा सकैत अछि. राज ठाकरे आइ अपन काकाक बाट पर चलि रहल छैथि, ओना काका बाल ठाकरे अपन बाट बदलि रहल छथि, मुदा हुनकर देखउल बाट स सत्ताक गलियारा तक पहुंचबाक विश्वास एहनो खतम नहि भेल अछि. दरअसल मराठी संस्कृतिक रक्षाक नाम पर किछु लोक आ संगठन सांप्रयादिक हिंसा पर उतरि चुकल अछि. माया नगरी मे संगठित अपराध के चलाबैवाला संगठन पहिने स हिंदू आओर मुसलिम खेमा मे बंटी चुकल अछि. इ बंटबारा एहि दौर स जुड़ल अछि. एहन नहि अछि जे इ दौर केवल महाराष्ट्र मे चलल अछि. असम, दिल्ली, पंजाब आओर कश्मीर मे सेहो समय–समय पर एहन घटना हाइत रहैत अछि. दुर्भाग्य स भारतीय संघक सदस्य प्रदेशक प्रभावशाली मुख्यमंत्री अपन राज्य के रियासत या जागीर बुझी लैत छथि. हुनकर तमाम गलती के नुकाबैय लेल इ एकटा मजबूत हथियार रहल अछि.

जहां तक मुंबईक सवाल अछि, इ शहरक इतिहासे एकरा अन्य शहर स अलग करैत अछि. इतिहासक अनुसार पुर्तगालक राजा अपन बेटी के द्वीवक एकटा समूह दहेज में देलथि. अंग्रेज राजकुमार एकरा विभिन्न ठामक लोक मदद स मुंबई के रूप मे एकटा शहर बसौलथि. किएक त महाराष्ट्र मे जातिवादी व्यवस्थाक इतिहास सेहो कम कलंकित नहि अछि. बाबा साहब एकर एक मात्र उदाहरण नहि छैथि. ज्योतिबा फूले सेहो एकर उदाहरण छैथि. असल मे जहिया भाषाक आधार पर राज्यक गठन भेल तहिये देश मे एहन समस्याक बीज रोपल गेल. असली मुद्दा भ्रष्टाचार आ गरीबी स मुक्ति लेल संघर्ष अछि आओर इ संघर्ष मे हमरा सब के एहन क्षेत्रीय कूपमंडूकता केवल भटका सकैत अछि. मुंबई केकर छी, एकरा स पहिने इ पूछबाक चाहि जे भारत केकर छी.

त फेर केकर अछि भारत

पिछला किछु दिन स राज ठाकरे जेहन उत्तेजक बयान बाजी करि रहल छथि, धमकी द रहल छथि, ओकर परिणाम तीन आ चार फरवरी के मुंबई सहित पूरा महाराष्ट्र मे हुनकर समर्थक द्वारा बाट चलैत बिहारक पर केल गेल हमलाक रूप मे सामने आयल. पूरा प्रकरणक दौरान राज्यक कांग्रेस–राकांपा सरकार मूकदर्शक बनल रहल. महाराष्ट्र मे बिहारी–यूपीक लोक के नहि रहय देबाक राज ठाकरेक घोषणाक विरोध मे मुंबई मे आयोजित रैली मे अमर सिंह आओर मूलायम सिंह खूब बरसलथि. अमर आ मुलायमक भाषण राजक समर्थक के नीक नहि लागल आओर ओ सपा कार्यकर्ता पर टूटी पड़लाह. अपना के मराठा योद्धा कहैवाला राजक गुंडा टेक्सी चालक आओर खोमचा बेच के जीवन गुजर केनिहार यूपी आओर बिहारक निर्बल के पीट के अपन बहादुरी देखेलथि. देर सांझ थाने क एकटा सिनेमा हाल जाहिमे भोजपुरी सिनेमा देखाउल जा रहल छल, मे आगि लगा देल गेल. बिहार आओर यूपी मे स्वभाविक रूप स मुंबई मे भेल घटनाक प्रतिक्रिया भ रहल अछि. उत्तर भारतीयक संगठन सोम दिन मुंबई बंद करबाक घोषणा केलक अछि, मुदा एहन प्रतिक्रिया स हालात सुधरबाक बदले आओर बिगरत. कम–स–कम राज ठाकरे सन नेताक त किछु नहि बिगरत, जे कोनो कीमत पर अपना के महाराष्ट्रक एक मात्र हितेषीक रूप में स्थापित करय चाहैत छथि आओर एहि मे हुनका भरपुर सफलता भेटि रहल छनि. हुनकर खिलाफ यूपी–बिहार मे तामस स हुनक काज आसान भ रहल अछि. शिवसेना द्वारा शुरू केल गेल आओर राज ठाकरे द्वारा अंजाम देल जा रहल इ संकीण क्षेत्रवादी राजनीति निंदनीय जरूर अछि, मुदा केकर मूल मे कतहु–न–कतहु देशक में क्षेत्रीय असंतुलन आओर असंतुलित विकासो अछि. येह कारण अछि जे देशक किछु राज्यक लोक रोजगारक ताक मे पलायनक लेल विवश भ रहल छथि आओर ओ जतय जाइत छथि ओतय नफरतक पात्र बनि जाइत छथि. एहिना बाहर स आबि के मुंबई में बसी गेल आओर बसी रहल लोक के मुंबई आओर महाराष्ट्र क मूल निवासी अपन हक छिनैयवाला मानि रहल अछि. एहि स्थितिक लेल कि बिहार–यूपी सन राज्यक सरकार जबावदेह नहि अछि, जे अपन लोक लेल रोजगारक साधन उपलब्ध करैवा मे विफल रहल अछि. एकर माने इ नहि जे राज ठाकरे सन नेता या कोनो संगठन द्वारा देशक हर नागरिक के संविधान द्वारा हासिल कतहु जेबाक, रहबाक आओर काज करबाक अधिकार छिनबाक अधिकार देल जय. एहन तत्वक खिलाफ उचित कार्रवाई हेबाके चाही, मुदा एकटा पूरा समुदाय मे दोसर समुदायक प्रति पराया, बल्कि दुश्मनक भाव उत्पन्न होयब एकटा पैघ समस्याक लक्षण अछि जेकर बारे मे गंभीरता स सोचबाक आओर किछु करबाक जरूरत अछि. ओनाओ जहिया तक देश मे असंतुलित विकासक क्रम जारी रहत, एहन स्थिति उत्पन्न होइत रहत. एहि समस्याक दोसर पहलु आजादीक 60 साल बादो देश मे भारतीय क भावनाक विकास नहि भ सकल अछि. एहन लगैत अछि युद्धक समय मे या फेर क्रिकेट मे हमर भारतीयता उफान पर होइत अछि. बाकी दिन हम या त मराठी होइत छी या गुजराती या फेर तमिल, पंजाबी...त फेर प्रश्न उठैत अछि जे भारतीय के छी ?

सामार : प्रभात खबर क संपादकीय

ढांचागत विकास एकटा मात्र विकल्प

संजय कुमार

संपन्न राज्य मे सबसे बेसी गरीब राज्यक लोक जाइत अछि. एकर सबस पैघ कारण अछि एहि राज्यक ढांचागत विकास ओहन नहि भेल जेहन हेबाक चाहि. हमरा एतय इ बुझी लेबाक चाही कि ढांचागत विकास आखिर अछि की? वास्तव में राज्यक आधाभूत संरचना, जाहिमे बिजली, पाइन आओर सड़कक अलावा प्रशासनिक व्यवस्थाक विकास शामिल अछि. ई कोनो राज्यक विकास लेल जरूरी अछि. एहि स कोनो राज्य मे निवेशक माहौल बनैत अछि आओर रोजगारक अवसर पैदा होइत अछि. दिल्ली महाराष्ट्र, कर्नाटक आदि राज्य क विकास मे मजबूत आधारभूत संरचनाक महत्वपूर्ण योगदान रहल अछि. एहन नहि अछि जे बिहार–यूपी सन राज्य मे टेलेंटक कमी अछि या कच्चा माल अनुपलब्ध अछि, मुदा निवेशक एहि राज्य दिस आकर्षित नहि होइत छैथि. ताजा सर्वेक अनुसार विकसित राज्य स बेसी टेलेंटेड युवा गरीब राज्य स निकली रहल अछि, तेकर बावजूद गरीब राज्यक विकास नहि भ रहल अछि. एहि राज्यक लोक जे दोसर राज्य मे जाके आहि राज्यक विकास करि रहल छथि, हुनका अगर अपन राज्य मे माहौल भेटेनि त ओ अपन राज्य के विकास मे भागीदार बनि सकैत छथि. एहिमे कोनो दू राय नहि कि बिहार आओर ओडिशा सन राज्य मे पैघ उद्योगक अभाव अछि. एकरा लेल राज्य सरकार पूरा जिम्मेदार अछि. राज्य सरकार चाहे त अपन राज्य मे निवेश आओर उद्योग के बढ़ावा देबा लेल उचित वातावरण तैयार करि सकैत अछि. ओना राज्य सरकार केकरो पलायन अथवा वापस बजेबा लेल बाध्य नहि करि सकैत अछि, मुदा आधारभूत संरचनाक विकास करि रोजगारक अवसर पैदा करि सकैत अछि, जे पलायनक सबसे पैघ कारण अछि.

मानसिक रूप स बदलि चुकल अछि बिहार

बिहार पहिने स पाछु छल, आ पिछला 15 साल बिहार के 30 साल पाछु करि देलक. मुदा बिहार बदलि रहल अछि. विकास बाट पर चलि चुकल अछि.

रोहित कुमार सिंह

राज बदलल, मिजाज बदल, लिखब नव तारीख. बिहार मे कोनो काजक शुरुआत जमीन स पहिने लोक मन मे होइत अछि. एहि कारण बिहार मे क्रांति आओर आंदोलन मात्र प्रारंभ नहि होइत अछि, बल्कि ओकरा अंजाम सेहो देल जाइत अछि. स्वतंत्रता आंदोलन अथवा संपूर्ण आंदोलन बिहार अग्रणी भूमिका मे रहल. मंडल आओर कमंडल आंदोलन मे सेहो बिहार देश के बाट देखेलक. देखल जाय त जातिवादी आंदोलनक दौर बिहार मे लंबा चलल. एकर कारण साफ अछि. पिछला 100 साल मे देश में शुरू हाइवाला मात्र एकटा आंदोलनक शुरुआत बिहार स नहि भेल आओर ओ छल 90क दशक मे भारतक उदारीकरणक दौर. इ ओ दौर छल जाहि मे कर्नाटक आओर आंध्रप्रदेश देशक नेतृत्व केलक आओर बिहार, यूपी सन राज्य पछुआ गेल. पिछला 15 साल मे जे नव स्थिति पैदा भेल ओकरे परिणाम आइ मुंबई मे दखल जा रहल अछि. बिहार पहिने स पाछु छल, आ पिछला 15 साल बिहार के 30 साल पाछु करि देलक. मुदा बिहार बदल रहल अछि. लोक अपन सोचक स्तर बदलि रहल अछि. विकास राजनीतिक दलक प्रमुख एजेंडा बनि गेल अछि.लालू या पासवान सब राज्यक विकास लेल जान–जी लगा देने छथि. नीतीश त एहि आंदोलनक ताप स मुख्यमंत्री बनलाह अछि. आओर ओ अपन दायित्वक पूर्ति क रहल छथि. जातिगत राजनीति एतेक दिन स चलि रहल अछि जे एकरा हटेबा मे किछु दिन लागत. ओना विकासक संग इ अपने खतम भ जाइत.

जखन गप बदलाव के होइत अछि, त प्रश्न उठैत अछि जे बदलाव केकर, कतय आओर केना भ रहल अछि. पांच साल पहिने नेताक सूची में जे मुद्दा सबस उपर छल ओ आइ सूची मे स्थान पैवा लेल प्रयास करैत अछि. एमवाइ आओर डीएम सन शब्द बिहारक राजनीति मे खतम भ गेल. बस एक–दोसर स बेसी विकास करबाक दावा ठोकी रहल छैथि. अपराधीक संरक्षण मे कियो सामने नहि आबि रहल छथि. सब दिस बदलाव लेल छटपटाहट देखल जा सकैत अछि. भनसा घर स ल के सचिवालय तक बिहारक विकास लेल सोचि रहल अछि. कहल जाइत अछि जखन कोनो समाजक भनसा घरक महिला ओकर हित मे विचार करैय लागैत अछि त ओ समाज के आगू बढ़बा स कियो नहि रोकी सकैत अछि. आइ बिहार मे ओहने स्थिति अछि. जमीन पर बदलल बिहार किछु साल बाद देखबा मे आउत, मुदा मानसिक रूप स बदलल बिहार देखल जा सकैत अछि. आओर जहि तेजी स जमीन पर बदलाव भ रहल अछि ओ दिन दूर नहि जहिया बिहार एकटा विकसित राज्यक रूप में उभरत. इतिहास गवाह अछि जे बिहार जखन–जखन सोचलक अछि तखन–तखन अपना के सिद्ध केलक अछि. एकबेर फेर इतिहास दो. हरायत. हमर विश्वास अछि.

नंबर वन प्रदेश बनत बिहार : पासवान

हाजीपुर मे नाइपर क उद्घाटन, राज्य सरकार जमीन दिये त हजारों लोक के देब रोजगार

समदिया

हाजीपुर : प्रदेश मे विकासक नव बाट खोलैत केंद्रीय रसायन, उर्बरक आओर इस्पात मंत्री रामविलास पासवान पांच फरवरी के एतय नाइपरक उद्घाटन केलाह. एहि असवर पर पासवान कहलथि जे ओ बिहार के नंबर वन प्रदेश बनावय चाहैत छथि. ओ ककरो खिलाफ बाजय मे विश्वास नहि करैत छथि, मुदा सत्य कहबा स ओ कहियो पाछु नहि हटलाह. पासवान कहलथि जे आइ मुंबई में बिहारी के अपमानित केल जा रहल अछि. देशक अन्य हिस्सा मे सेहो बिहारी के भय मे जीबय पड़ि रहल अछि. बिहारी बाहर एहि लेल जाइत अछि कियेक त ओकरा अपन घर मे रोजगार नहि भेटैत अछि, अगर प्रदेश सरकार जमीन उपलब्ध कराबै आ मन स सहयोग करै त हुनक मंत्रालय असगरे बिहार मे हजारो लोक के रोजगार देबाक व्यवस्था करबा मे सक्षम अछि.

ओ कहैत छथि जे स्थिति इ अछि जे देशक दोसर नाइपर हाजीपुर मे खुली रहल अछि. एकरा लेल कुल 100 एकड़ जमीन चाही, मुदा राज्य सरकार एखन धरि मात्र 12 एकड़ जमीन मुहैया करा सकल अछि. प्रयाप्त जमीन तीन माह मे भेट जे त हजारो रोजगारक अवसर पैदा करि देब. ओ कहलैथि जे 250 वर्ग किमी क्षेत्रफलवाला एकटा वृहत केमिकल हगक स्थापना लेल काफी काज भ चुकल अछि. कई प्रदेशक सरकार एहि मे रूचि देखेलक, मुदा बिहार स एखन धरि कोनो प्रस्ताव नहि पहुंचल अछि. पासवानक कहबा छैन जे ओ बिहार मे निफट खोलय चाहैत छथि. पासवानक अनुसार ओ कुल 846 दवाईयक दाम कम करि चुकलथि. ओ हर साल 1 करोड़ 20 लाख लोकक स्वास्थ बीमा करैबाक योजना मंजूर करौलथि अछि. आम लोक के नाइपरक महत्व बुझबैत पासवान कहलैनि जे नाइपर खुलला स केवल रोजगार नहि उपलब्ध होयत, बल्कि दुनियाक नीक–नीक दवाई कंपनी सेहो अपन प्रयोगशाला बिहार मे स्थापित करत. एतय स निकलल छात्र के बिहारे मे रोगारक भेटबाक गारंटी रहतैन. एकर स्थापना स जतय उद्योग जगत लेल नव प्रोफेशनलक व्यवस्था होइत, ओतहि उद्योग जगत के राज्यक प्रति आकर्षित करबा मे सेहो मदद भेटत.

आइ मुंबई मे बिहारी के अपमानित केल जा रहल अछि. देशक अन्य हिस्सा मे सेहो बिहारी सब भय मे जीब रहल छथि. कोनो बिहारी बाहर एहि लेल जाइत अछि, किएक त हुनका अपन घर मे रोजगार नहि भेटैत छैन, अगर प्रदेश सरकार जमीन उपलब्ध कराबै आ मन स सहयोग करै, त हमर मंत्रालय असगरे बिहारे मे हजारो लोक के रोजगार देबाक व्यवस्था करबा मे सक्षम अछि.

रामविलास पासवान

पासवान कहलथि जे देश मे औषधि उद्योग काफी तेजी स बढ़ि रहल अछि. एतय दवाईयक कुल उत्पादन मूल्य 70 हजार करोड़क आसपास अछि, एहन मे हाजीपुर मे नाइपर खुलला स देश मे अति प्रशिक्षित तकनीकी जनशक्ति तैयार होइत, जे प्रदेशक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देत. पासवान कहलथि जे नाइपर मे नामांकन लेल अलग स कोचिंगक व्यवस्था केल जा रहल अछि.

उद्घाटनक कार्यक्रम में मुख्य अतिथिक रूप में उपस्थित केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री रघुवंश प्रसाद सिंह अपन ठेठ अंदाज मे कहला जे नाइपर के साइपर करबाक प्रयास केल गेल. केंद्र राज्यक विकास लेल टाका पठा रहल अछि, राज्य सरकारक ओकरा खर्च तक नहि करि पाबि रहल अछि. जमीन देबा मे भेदभाव नहि हेबाक चाहि. राज्यक विकास सबहक सहयोग स संभव अछि.

एहि अवसर पर राज्यक उद्योग मंत्री गौतम सिंह कहलेनि जे नाइपर क उद्घाटन लेल पासवान धन्यवादक पात्र छथि. एकर स्थापना स प्रदेशक एकटा सपना पूरा भेल.

जमीन मामला पर मंच स केल गेल राजनीतिक उत्तर दैत श्री सिंह कहलथि जे जमीन पर शुरू भेल राजनीति जखन धरि चलत जमीन भेटबा मे मुश्किल अछि. जमीन अधीग्रहण लेल सरकार सक्रिय छल, मुदा विपक्षक किछु नेता ओकर विरोध मे झंडा उठा लेलथि. माहौल बिगड़ि गेल अछि. आब सामूहिक प्रयास स जमीनक अधीग्रहण भ सकैत अछि, तेकरा लेल जमीन पर शुरू राजनीति के खतम करय पड़त.

पेज एकक बाकी अंश

आखिर क्षति...

बिहार मे सेहो बदलाव आयल अछि. आइ अराजकता क महिमामंडन करनिहार कियो नहि अछि. सब विकास क गप करि रहल छथि. मुंबई मे बिहारी पर हमला करि के कनि काल लेल राज ठाकरे मुंबई के मराठी समाज के इ बुझा सकैत छथि कि हुनकर परेशानीक कारण बिहारी छथि, मुदा जेखने हुनकर आगू महाराष्ट्रक संकट आउत, ओ बिहारी के एकरा लेल जिम्मेदार नहीं ठहरा सकैत छथि.बिहारी के बोझ बता के महाराष्ट्र क संकटग्रस्त किसानक के उत्तर नहि देल जा सकैत अछि. आत्महत्या करनिहार किसानक समस्या लेल बिहारी कतई जिम्मेदार नहि भ सकैत अछि. ग्लोबलाइजेशन स सेहो स्थिति मे भारी बदलाव आयल अछि. मुंबई देशक आर्थिक राजधानी छी. मुंबई अपन पुरानी स्थिति के कायम राखैत विश्व क आर्थिक गतिविधियो मे अपन भूमिका बढ़ेबाक कोशिश करि रहल अछि. एहन परिस्थिति मे इ क्षेत्रीयतावाद क राग मुंबई क सपना के बंटाधार करि सकैत अछि. पहिने बिहारी, फेर हिंदीभाषी पर हमला, इ प्रवृति बढ़ल, त मुंबई क दक्षिण भारतीय लोक–वेदो पर हमला भ सकैत अछि. गुजरात आ गोवाक लोक सेहो मुंबई मे रहैत अछि. हुनकर खिलाफ सेहो अंतर विरोध अछि. एहि तरहक हिंसा आ अराजकता क राजनीति आओर चलल त मुंबई सहम जाइत, ठहर जाइत, बिखरी जाइत.

सैनिक छोड़ि...

बिहार स टिकट लेताह, मुदा अपन दवाई कंपनी बिहार मे नहि लगौताह. कहल जाइत अछि जे क्रिकेअ जखन होइ अछि तखन राज्यक बंधन टूटि जाइत अछि आ सब भारतीय भ जाइत अछि लेकिन आब ओ बात नहि रहल. गांगुली के टीम स बाहर केला पर वाम दल संसद मे सवाल करैत अछि. कोलकाता मे आंदोलन होइत अछि. मुदा बिहार में क्रिकेट कहिया मान्यता पाउत तेकर चिंता देश के नहि अछि. सच इ अछि जे देशक चिंता ककरो नहि अछि, हम बिहारी देशक नाम एहि करण लैत छी किएक कि हमर बिहार कोनो जोकरक नहि अछि. हमरा लग न मुंबई सन शहर अछि न गुजराल सन प्रदेश भक्त नेता आओर न गांगुली सन कोनो खिलाड़ी. आखिर हम केकरा पर गर्व करी. देशक रुपया पर छपल अशोक स्तंभ पर या प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद पर. आइ गांधी स गुजरातक पहचान कतेक अछि, सब जनैत छी. गुजरात आइ विकासक लेल प्रसिद्ध अछि. मजबूत वर्तमानक मूंह स प्रसिद्ध इतिहास सुनबा मे नीक लगैत अछि. असम, महाराष्ट्र आओर दिल्लीक घटना के रोकबा लेल न देशक मदद भेटत न इतिहासक, एहि लेल एकटा शपथ काफी अछि जे बिहार के विकसित बना के रहब, एहि ले केहनो कट्टरता स गुरेज नहि. आखिर देस विकसित होयत, त देश सेहो अपन बुझत. पिछला 60 साल मे देश आ देसक फर्क बुझबा मे आबि गेल अछि. जिनका नहि आयल अछि, हुनका राज ठाकरे या हुनकर सन कियो आओर नेता बुझा देतेन. किएक जे राज ठाकरे सन नेता तहिया तक हमरा लोकनिक प्रति एहन व्यवहार राखत, जहिया तक हम पिछड़ल रहब. राज के उत्तर देबाक अछि त धरना नहि, बिहार बनाउ.